दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B++' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
: 09792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनांक : 17.11.2025

प्रकाशनार्थ

राजनीति विज्ञान विभाग में "शोध प्रविधि" विषय पर एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन

दिनांक 17.11.2025 गोरखपुर। दिविजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा सोमवार को "शोध प्रविधि" विषय पर एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों में शोध के प्रति रुचि, अनुशासन और वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास करना था। कार्यक्रम में बी.ए. पंचम सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यशाला का शुभारंभ विभागाध्यक्ष एवं कार्यक्रम संयोजक श्री इंद्रेश कुमार पाण्डेय के स्वागत भाषण से हुआ। **अपने उद्बोधन में श्री पाण्डेय ने शोध में प्रमाणिकता बनाए रखने के लिए वैज्ञानिक पद्धति के पालन की आवश्यकता पर बल दिया।** उन्होंने कहा कि शोध केवल सैद्धांतिक कार्य नहीं बल्कि समाज और नीतियों के यथार्थ को समझने का माध्यम भी है। श्री पाण्डेय ने विद्यार्थियों को शोध कार्य में ईमानदारी, तथ्यपरकता और गहन अध्ययन की आदत विकसित करने की प्रेरणा दी।

विभाग के वरिष्ठ शिक्षक डॉ. शैलेश कुमार सिंह ने बदलते शोध परिदृश्य और आधुनिक तकनीकों के उपयोग पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि आज के समय में डिजिटल संसाधनों, ऑनलाइन डेटा विश्लेषण साधनों और सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से शोध को और अधिक सशक्त बनाया जा सकता है। डॉ. सिंह ने विद्यार्थियों को सलाह दी कि वे पारंपरिक शोध विधियों के साथ–साथ आधुनिक तकनीकी उपकरणों को भी अपने कार्य में सम्मिलित करें, जिससे परिणाम अधिक सटीक और उपयोगी बन सकें।

डॉ. प्रियंका सिंह ने शोध कार्य में अनुशासन, प्रभावी योजना और समन्वय के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि शोध तभी सार्थक होता है जब वह सुव्यवस्थित ढंग से योजनाबद्ध किया जाए और उसका प्रत्येक चरण उद्देश्यपूर्ण हो। उन्होंने विद्यार्थियों को सुझाव दिया कि वे अपने शोध विषय का चयन समाज की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए करें ताकि उनका अध्ययन ज्ञानवर्धक एवं उपयोगी हो।

कार्यशाला के दौरान विद्यार्थियों ने विभिन्न विषयों पर अपने विचार रखे और प्रश्न पूछे, जिनका समाधान वक्ताओं ने विस्तार से किया। संवादात्मक माहौल में विद्यार्थियों को शोध के विभिन्न आयामों को समझने का अवसर मिला। प्रतिभागियों ने इस कार्यशाला को अत्यंत उपयोगी और प्रेरणादायक बताया।कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। **राजनीति विज्ञान विभाग की ओर से सभी प्रतिभागियों के प्रति डॉ अखिल श्रीवास्तव द्वारा आभार व्यक्त किया गया।** इस अवसर पर विभाग के शिक्षकगण एवं छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।यह एकदिवसीय कार्यशाला महाविद्यालय में शोध संस्कृति को प्रोत्साहन देने, शैक्षणिक उत्कृष्टता को सुदृढ़ करने तथा विद्यार्थियों में अनुसंधानात्मक दृष्टिकोण विकसित करने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम सिद्ध हुई।

(डॉ.) शैलेश कुमार सिंह
प्रभारी, सूचना एवं जनसम्पर्क